इंडोनेशियन वोट के निहितार्थ

लेखक- गुरजीत सिंह (पूर्व भारतीय राजदूत, इंडोनेशिया)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

द हिन्दू

17 अप्रैल, 2019

"राष्ट्रपति पद के लिए दावेदार अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन जो भी होगा वह भारत के साथ संबंधों को गहरा करने के लिए हमेशा तैयार रहेगा।"

इंडोनेशिया में एकल-दिन और जटिल चुनाव आज हैं। 2014 में, इंडोनेशियन डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ स्ट्रगल (PDI-P) के प्रमुख राष्ट्रपति जोको 'जोकोवी' विडोडो और उनकी विरोधी पार्टी, ग्रेट इंडोनेशिया मूवमेंट पार्टी (Gerindra) के प्राबोवो सुबिआंतो के बीच हुए चुनाव के बाद, यह तय किया गया कि अगले पाँच साल में देश किस ओर जाएगा।

अब तक दोनों ही उम्मीदवारों ने 2014 के बाद से अपनी स्थिति को ठीक-ठाक कर लिया है, इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि आज होने वाले चुनाव के परिणाम का घरेलू अर्थव्यवस्था और राजनीति पर प्रभाव पड़ेगा। इंडोनेशियाई विदेशी व्यस्तताओं में बदलाव होना संभव है जो इस बात पर निर्भर करती है कि इंडोनेशिया अपनी खुद की इंडो-पैसिफिक रणनीति और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के साथ-साथ विदेश नीति का पालन करता है या नहीं। इसकी बड़ी आबादी, जो मुख्य रूप से मुस्लिम है, इसके बढ़ते मध्यम वर्ग और बाजार तथा इसकी रणनीतिक स्थिति को देखते हुए, होने जा रहा चुनाव काफी महत्वपूर्ण मालूम पड़ता है।

राजनीतिक विशिष्टता:-

2019 में, चुनाव आयोग ने 16 दलों को संसद चलाने के लिए मंजूरी दी थी। वर्तमान में 560 सांसदों में से श्री जोकोवी के गठबंधन में श्री सुबिआंतो के 222 सांसदों के मुकाबले 338 सांसद हैं। इंडोनेशियाई कानून की आवश्यकता है कि राजनीतिक दलों के पास संसद में कम से कम 20% सीटें हों या लोकप्रिय वोट का 25% हिस्सा हो, इससे पहले कि वे 2019 में एक राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को नामांकित करें। यदि पूर्व राष्ट्रपति सुसीलो बामबांग युधोयमो की डेमोक्रेटिक पार्टी ने श्री सुबिआंतो का समर्थन नहीं किया होता, तो सुबिआंतो की उम्मीदवारी विफल हो गई थी और श्री जोकोवी एकमात्र उम्मीदवार बन जाते। गोलकर और नेशनल मैंडेट पार्टी (PAN) जैसी पार्टियों में मंथन, जो 2014 में श्री सुबिआंतो के साथ मजबूती से खड़े थे, ने इंडोनेशियाई राजनीति में बदलाव किया है।

इंडोनेशिया की जीडीपी 1 ट्रिलियन डॉलर (2017 के आंकड़े) है और विकास दर लगभग 5% है। इसकी आबादी लगभग 270 मिलियन है। इसके विविध प्राकृतिक संसाधनों में प्रचुर मात्रा में कोयला और पाम ऑयल शामिल हैं। बदलते व्यापार नियमों का इंडोनेशियाई रुपिया पर प्रभाव पड़ रहा है। इन चुनावों में और उसके बाद, प्रमुख विषयों में बढ़ते ऋण, सामाजिक और आर्थिक असमानताएं, राजनीति में इस्लाम की भूमिका और साथ ही साथ फेक न्यूज भी शामिल हैं।

श्री जोकोवी को हरा देना अभी मुश्किल है, क्योंकि भले ही उन्होंने 2014 के अपने सभी अभियानों में किये गये वादों को पूरा नहीं किया हो, लेकिन वह अभी भी लोकप्रिय हैं और उन्हें निष्ठावान और ईमानदार नेता के रूप में देखा जाता है। हालांकि, 2017 में जकार्ता के गवर्नर के लिए हुए एक चुनाव ने, जिसे 2019 के चुनाव के लिए बैरोमीटर के रूप में देखा जाता है, सबको आश्चर्यचकित कर दिया था, जहाँ श्री जोकोवी की पार्टी द्वारा समर्थित 'अहोक' बासुकी तजाहाजा पुरनामा को श्री सुबिआंतो द्वारा

समर्थित एनिस बसवेडन द्वारा हार का सामना करना पड़ा था।

2017 में, श्री अहोक को ईश्वर की निंदा करने के आरोप में दो साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। 2019 के लिए, श्री जोकोवी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाले 76 वर्षीय मारुफ अमीन, जो इंडोनेशियाई उलेमा काउंसिल के चेयरमैन हैं, को जकार्ता चुनाव में मुस्लिम समर्थन की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जाता है। ऐसा कहा जाता है कि ईश्वर की निंदा करने के आरोप में श्री अहोक को जेल भेजने में श्री अमीन का हाथ था।

एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक को समर्थन देने और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के मुखर समर्थक होने के कारण श्री जोकोवी को चीनी समर्थक के रूप में भी देखा जाता है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि श्री जोकोवी को चीन के प्रति उदारता दिखाने के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने चीन को एक प्रतिष्ठित हाई-स्पीड रेलवे का कार्य भी सौंप दिया है जो 2015 में जापानियों द्वारा प्रस्तावित किया गया था, जो अभी तक शुरू नहीं हुआ है।

अधिकांश चीनी जुड़ाव सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं के माध्यम से है, जो अब भारी कर्ज में हैं क्योंकि ऋण और घाटे के संवैधानिक मानदंडों को बनाए रखने के लिए सार्वभौम गारंटी मार्ग लागू नहीं किया गया था। बीआरआई परियोजनाओं की धीमी गति के कारण, कई सार्वजनिक क्षेत्र की इकाईयों के पास गंभीर ऋण मुद्दे हैं। हालांकि, ऐसे विचारों से कभी चुनाव जीते नहीं जा सकते, लेकिन जोकोवी के पास 'इंडोनेशिया हेल्थ कार्ड' सहित कई कल्याणकारी योजनाएं हैं, जिनके कारण उनको समर्थन मिल रहा है।

श्री सुबिआंतो सुरक्षा, संतुलित विदेश नीति, अधिक स्थानीय विनिर्माण और एक न्यायपूर्ण सामाजिक व्यवस्था पर जोर देने के साथ अधिक राष्ट्रवादी छवि प्रस्तुत करते हैं। जिस तरह का भाषण उन्होंने 2018 में एक इंडोनेशियाई आर्थिक शिखर सम्मेलन में दिया था उसके आधार पर ऐसा प्रतीत होता है कि वह चीन के अलावा अन्य देशों के साथ साझेदारी के लिए भी अधिक उत्सुक हैं। व्यापार से उनको समर्थन 49 वर्षीय 'सैंडी' सैंडिआगो यूएनओ, जो एक अमीर पूर्व फंड मैनेजर और जकार्ता के डिप्टी गवर्नर (2017-18) थे, से मिल रहा है। युवा और सोशल मीडिया प्रेमी होने के कारण, उन्हें 21वीं सदी के युवाओं का समर्थन मिल सकता है, जो मतदाता के रूप में लगभग 30% हैं।

भारत और इंडोनेशिया के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। श्री जोकोवी ने 2016 में और फिर 2018 में नई दिल्ली में एक आसियान स्मारक शिखर सम्मेलन के लिए द्विपक्षीय यात्रा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी तीन देशों के दौरे के तहत पिछले साल जकार्ता की यात्रा की थी। दोनों नेताओं ने बुनियादी ढ़ाँचे, रणनीतिक साझेदारी, नौसेना और सेना के सहयोग और व्यापार और तथा पर कई विचारों को आकार दिया है।

विश्वास के साथ बीच बातचीत जारी है और आतंकवाद और अन्य गैर-पारंपरिक खतरों पर निकट सहयोग के लिए प्रतिबद्ध हैं। हालांकि, चीन के मुद्दे पर उनके विचार अलग-अलग हैं, लेकिन इसे द्विपक्षीय संबंधों में बाधा के रूप में नहीं देखा जा सकता है। अगर श्री जोकोवी जीतते हैं, जिसकी संभावना अधिक है, तो संबंध वर्तमान की तुलना में और मजबूत हो जाएगा।

हालांकि, अगर श्री सुबिआंतो जीतते तो भी भारत को चिंता करने की जरूरत नहीं है। इन्होंनें भी भारतीय विकास के कई मॉडल देखे हैं, जो अनुकरण के लायक हैं। वह वास्तव में, भारत के लिए अधिक रणनीतिक स्थान और बाजार का निर्माण कर सकते हैं, लेकिन इन्हें ये सब सक्षम बनाने के लिए समय की आवश्यकता होगी क्योंकि उसके पास प्रशासन में बहुत कम अनुभव है।

भारत-इंडोनेशिया संबंध

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में दुनिया के तीसरे सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश (जनसंख्या के आधार पर) इंडोनेशिया में संसद के साथ राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति के लिए मतदान शुरू हो गया है।
- देश के इतिहास में पहली बार आम चुनाव के साथ ही राष्ट्रपति और उपराष्ट्र पति के चुनाव हो रहे हैं।
- इस लिहाज से इंडोनेशिया के इतिहास में यह सबसे बड़ा चुनाव है।
- मुस्लिम बहुसंख्यक राष्ट्र में राष्ट्रपति जोको विडोडो का मुकाबला पूर्व सेना प्रमुख प्राबोवो सुबिआंतो से है।

पृष्ठभूमि

- दोनों ही देश धर्मनिरपेक्ष हैं। जहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सब मिलकर रहते हैं।
- भारत और इंडोनेशिया दुनिया में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाले देश हैं, जो युवा, आकांक्षी और विकास को लेकर प्रतिबद्ध हैं।
- दोनों देश जी-20, नैम, ईएएस, आईओआरए, एआईआईबी और ऐसे ही कई समूहों के सदस्य हैं।
- इन समानताओं और भारत के अंडमान एवं इंडोनेशिया के असेह द्वीप के बीच अपेक्षाकृत कम दूरी के बावजूद रिश्ते वैसे परवान नहीं चढ़े।
- दोनों देशों की हजारों वर्ष प्राचीन विरासत, संस्कृति और व्यापारिक संपर्क हैं।
- इंडोनेशिया में हिंदू, बौद्ध और इस्लाम का प्रसार भारत के माध्यम से ही हुआ। योग्यकार्ता में प्रम्बानन हिंदू मंदिर और बोरोबुदूर बौद्ध मंदिर तथा रामायण एवं महाभारत का प्रभाव इस पुराने जुड़ाव के चिन्ह हैं।
- स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी भारत और इंडोनेशिया एक-दूसरे के करीबी रहे। 1950 में गणतंत्र दिवस की पहली परेड में राष्ट्रपति सुकर्णो ही मुख्य अतिथि थे।
- इसके बाद 1970 के दशक में संबंधों में कुछ दुराव आया, जो 1990 के दशक के अंत तक इंडोनेशिया में लोकतंत्र की पुर्नस्थापना तक जारी रहा। उसके बाद से संबंधों में कुछ सुधार आया है।

व्यापारिक संबंधः-

- इंडोनेशिया से कच्चे पाम ऑयल का आयात करने वाला भारत सबसे बड़ा देश है तथा वहाँ से कोयला, खनिजों, रबड़, लुग्दी एवं कागज का आयात करता है।
- भारत परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों, मक्का, वाणिज्यिक वाहनों, दूर संचार के उपकरणों, तिलहनों, पशु आहार, कपास, स्टील के उत्पादों तथा प्लास्टिक आदि का इंडोनेशिया को निर्यात करता है।
- इंडोनेशिया में निवेश करने वाली भारत की प्रख्यात कंपनियां हैं: टाटा पावर, रिलायंस, अदानी, एल एंड टी, जी.एम.आर. जी.वी.के, वीडियोकॉन, पुंज लॉयड, आदित्य बिरला, जिंदल स्टे नलेस स्टीहल, एस्सार, टी.वी.एस., बजाज, बी.ई.एम. एल, गोदरेज, बामन एंड लॉरी, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया आदि।
- जहाँ तक व्यापार एवं आर्थिक संबंधों का प्रश्न है, इंडोनेशिया की अवसंरचना, विद्युत, कपड़ा इस्पात, ऑटोमोटिव, खनन, बैंकिंग तथा एफ.एम.जी.सी. क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों ने काफी निवेश किया है।
- इंडोनेशिया की भी अनेक कंपनियों ने भारत की अवसंरचना परियोजनाओं में निवेश किया है।

हाल में दोनों देशों के बीच हुआ समझौता

- हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मादक पदार्थों, नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी और आवाजाही से निपटने पर भारत एवं इंडोनेशिया के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर को अपनी मंजूरी दे दी है।
- इस समझौते से मादक पदार्थों और नशीले पदार्थों के नियमन तथा मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए परस्पर सहयोग में मद्द मिलेगी।
- यह समझौता हस्ताक्षर की तिथि से प्रभावी होगा और 5 वर्ष की अवधि के लिए लागू रहेगा। भारत ने 37 देशों के साथ ऐसी संधियों/सहमति पत्रों/समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

मुख्य बिंदुः-

- इस समझौते से दोनों देशों के बीच संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीयड्रग नियंत्रण संधियों के अनुसार मादक पदार्थों और नशीले पदार्थों तथा मादक पदार्थों की तस्करी और इसकी आवाजाही से निपटने में सहयोग बढ़ेगा।
- इस सहमति पत्र के तहत सहयोग में मादक पदार्थों, नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी और इसकी आवाजाही से निपटने में दोनों देशों के राष्ट्रीय विधान के मौजूदा वैधानिक औजारों पर आधारित विवरण का आदान-प्रदान करना शामिल है।
- साथ ही मादक पदार्थों, नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी और इसकी आवाजाही तथा अनिवार्य रसायनों, धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के काम में शामिल लोगों की पहचान करने की दृष्टि से नियंत्रित वितरण संचालन के इस्तेमाल में एक दूसरे को अनुमति देना और सहायता देना भी शामिल है।
- सहमति पत्र के तहत, इस सहमति पत्र के अनुसार प्राप्त सूचना और दस्तावेजों की गोपनीयता कायम रखने का प्रावधान किया गया है।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-**

   1. इण्डोनेशिया एवं भारत संयुक्त रूप से आसियान, नैम और जी-20 के सदस्य हैं।
   2. भारत, इण्डोनेशिया से सर्वाधिक पॉम ऑयल का आयात करता है।
   3. बोरोबुदूर बौद्ध मंदिर इण्डोनेशिया के कालीमंटन द्वीप पर स्थित है।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

   (a) 1 और 2
   (b) केवल 2
   (c) 1 और 3
   (d) उपर्युक्त सभी

1. **Consider the following statements-**

   1. Indonesia and India are jointly the members of ASEAN, NAM and G-20
   2. India imports the highest amount of palm oil from Indonesia.
   3. Borobudur Buddhist temple is located on the island of Kalimantan Indonesia.

   Which of the above statements is/are correct?

   (a) 1 and 2
   (b) Only 2
   (c) 1 and 3
   (d) All of the above

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न:- इण्डोनेशिया में सत्ता परिवर्तन से भारत के द्विपक्षीय संबंधों पर किस प्रकार के प्रभाव देखने को मिल सकते हैं? चर्चा कीजिए। (250 शब्द)

Q. Which types of effects can be seen on the bilateral ties of India due to the change of power in Indonesia? Discuss. (250Words)

GS World
Committed To Excellence

नोट : 16 अप्रैल को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(b) होगा।